पाठ – 34A सूचना प्रोद्योगिकी और हिंदी

मुख्य विषय

आज रेडियो, दूरदर्शन तथा पत्र-पत्रिकाएँ लोगों की आवश्यकता बन चुके हैं। राजनीति, साहित्य, कला, संगीत, सामाजिक घटना-दुर्घटना, व्यापार, खेल, अपराध, शेयर बाजार, कृषि, शिक्षा आदि जीवन का कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है, जो संचार माध्यमों की दृष्टि से अछूता रह गया हो। इस पाठ में समाज में सूचना प्रौद्योगिकी की बढ़ती लोकप्रियता के कारण, इस क्रांति के पीछे निहित उद्देश्यों की पहचान, उपग्रह (सेटेलाइट) की कार्यप्रणाली तथा संचार के क्षेत्र में इसका महत्त्व, समाचार संकलन, संपादन तथा प्रकाशन-प्रसारण में कंप्यूटर की भूमिका, पत्रकारिता के क्षेत्र में इंटरनेट और 'ई-मेल' की उपयोगिता, सूचना प्रौद्योगिकी में संचार के महत्त्व आदि विषयों के बारे में विस्तार से बताया गया है।

मुख्य बिंदु

सूचना प्रौद्योगिकी के कारण संचार में क्रांति के प्रमुख कारक

1. व्यापार : दुनिया के विकासशील देशों ने अपनी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए कल- कारखानों तथा अपनी उत्पादन क्षमता को बढ़ावा दिया। ऐसी स्थिति में विश्वबाजार में अपने उत्पादन की खपत तथा गुणवत्ता को प्रचारित-प्रसारित करने की आवश्यकता महसूस हुई। इस प्रचार-प्रसार का माध्यम संचार व्यवस्था ही हो सकती थी, जिसके माध्यम से आसानी से दूर-देश तक लोगों के बीच उत्पादनों की जानकारी को पहुँचाया जा सकता था। इसलिए तीसरी दुनिया की सरकारों ने संचार माध्यमों को अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए नीतियाँ बनाई तथा कई सुविधाएँ प्रदान कीं। पत्र-पत्रिकाओं तथा रेडियो-दूरदर्शन पर प्रकाशित-प्रसारित होने वाले विज्ञापन वास्तव में उत्पादनों की खपत तथा गुणवत्ता को प्रोत्साहित कर रहे हैं, अत: आज संचार माध्यमों ने बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
2. निजी कंपनियों की आपसी होड़ : प्रेस की स्वतंत्रता के चलते संचार के क्षेत्र में निजी कंपनियाँ आसानी से प्रवेश कर जाती हैं। निजी कंपनियाँ तो अखबार निकालती ही हैं साथ ही उपग्रहों को पट्टे पर लेकर अथवा दूरदर्शन से कुछ अवधि खरीदकर ये कंपनियाँ रेडियो तथा दूरदर्शन पर भी अपने कार्यक्रम प्रस्तुत करती हैं। 98.3 एफ.एम., रेडियो मिर्ची, रेड.एफ.एम. आदि रेडियो पर तथा स्टार टी.वी., सोनी टी.वी., जी.टी.वी., बी.बी.सी, सी.एन.एन., डिस्कवरी, ई.एस.पी.एन. आदि दूरदर्शन पर कुछ ऐसी ही प्रमुख निजी कंपनियों द्वारा चलाए जाने वाले चैनल हैं। सैकड़ों कंपनियों के आ जाने और अच्छे-से-अच्छे कार्यक्रमों के प्रसारण के उद्देश्य के कारण उनमें आपसी होड़ भी लगी हुई है। इसका परिणाम यह हुआ है कि ये कंपनियाँ संचार के क्षेत्र में रोज़ नए-नए शोध तथा अनुसंधान करती हैं तथा एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में अच्छे-से-अच्छा प्रदर्शन करने का प्रयास करती हैं।
3. इलेक्ट्रॉनिकी का उपयोग : पहले खबर जुटाने तथा संबंधित संचार माध्यम तक पहुँचाने में बहुत समय लग जाता था। किंतु अब इलेक्ट्रॉनिक यंत्रों के प्रयोग से यह कार्य बहुत आसान हो गया है। अब चलते-फिरते समाचार

भेजे और प्राप्त किए जा सकते हैं। सेल्यूलर फोन, पेजर, फैक्स मशीन, 'ई-मेल', आदि अनेक ऐसी सुविधाएँ हैं जिनके द्वारा पलक झपते ही समाचार संकलित किए जा सकते हैं। कंप्यूटर द्वारा सुंदर साज-सज्जा के साथ कम-से-कम समय में समाचारों का संपादन किया जा सकता है। उपग्रहों के माध्यम से दूर-दराज़ के गाँवों में कार्यक्रम पहुँचाए जा सकते हैं।

विविध इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भूमिका तथा महत्त्व

1. उपग्रह : अब इसके माध्यम से किसी भी स्थान से कहीं भी संदेश भेजे जा सकते हैं। ये संदेश उपग्रहों के माध्यम से विभिन्न संचार उपकरणों द्वारा भेजे तथा ग्रहण किए जाते हैं। अब उपग्रहों के माध्यम से एक साथ कई शहरों में अखबार छप जाते हैं।
2. पेजर : यह माचिस की डिब्बी के आकार का एक उपकरण होता है जिस पर संदेश लिखित रूप में प्राप्त होता है। किसी भी पत्रकार के पास किसी भी घटना-दुर्घटना अथवा अन्य कार्यक्रमों की सूचना इसके माध्यम से तुरंत दे दी जाती है।
3. सेल्यूलर फोन : सेल्युलर फोन की कार्य प्रणाली भी उपग्रह के माध्यम से ही होती है। इसके माध्यम से पत्रकार कहीं से आसानी से अपनी रिपोर्ट भेज देता है।
4. फ़ैक्स : यह किसी लिखित संदेश को लिखित रूप में ही प्राप्त करने का अनूठा उपकरण है। यह टेलीफोन के साथ ही आसानी से जोड़ दिया जाने वाला उपकरण है। कोई भी पत्रकार अपने नज़दीकी कस्बे से अपनी लिखी हुई रिपोर्ट फ़ैक्स द्वारा तुरंत भेज देता है।
5. टेलीप्रिंटर : इस उपकरण का इस्तेमाल उपग्रह के द्वारा न होकर सीधी केबल लाइनों द्वारा होता है। इस माध्यम का उपयोग समाचार एजेंसियाँ करती हैं। यू.एन.आई., पी.टी.आई, भाषा, यूनीवार्ता आदि समाचार एजेंसियाँ भारत-भर में समाचार पत्रों को अपने समाचार इस माध्यम द्वारा उपलब्ध करवाती हैं।
6. कंप्यूटर : आज के युग में कंप्यूटर का आविष्कार एक वरदान साबित हुआ है। कंप्यूटर दुनिया के जटिल से जटिल और श्रमसाध्य कार्यों को चुटकी बजाते ही हल कर देता है।
   1) प्रिंट मीडिया में कंप्यूटर का उपयोग : कंप्यूटर के प्रभाव के कारण अब तो कंपोजीटर और प्रूफ़रीडर की ज़रूरत ही नहीं है। खबरें सीधे कंपोज होती हैं और उनमें यदि कोई प्रूफ की गलती होती है तो कंप्यूटर अपने आप पकड़ लेता है और संकेत देने लगता है। इस प्रकार उसे आसानी से सुधार लिया जाता है।
   2) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में कंप्यूटर का योगदान : अब टी.वी. पर हर पल समाचार प्रसारित करने की योजना बन गई है। कई चैनलों ने अपना 24 घंटे का समाचार चैनल शुरू कर दिया है। ऐसे में जल्दी से जल्दी नए से नए और बेहतरीन साज-सज्जा के साथ समाचारों को प्रस्तुत करने की एक प्रतियोगिता शुरू हो गई है। कोई भी पत्रकार दुनिया के किसी भी कोने में समाचार संकलित कर, उसे संपादित कर पूरी तरह तैयार रूप में समाचार कार्यालय तक भेज सकता है, चाहे वह अखबार का माध्यम हो या टेलीविज़न का।

3) ओ.बी.वैन : यह टेलीविजन अथवा रेडियो पर समाचारों के प्रसारण में काम आने वाला एक प्रकार का चलता-फिरता प्रसारण केंद्र होता है। यह भी उपग्रह प्रणाली के ज़रिए काम करता है। इस व्यवस्था के उपलब्ध हो जाने से अब किसी भी समाचार का सीधा प्रसारण संभव हो सकता है।

4) इंटरनेट : इंटरनेट एक प्रकार का कंप्यूटर नेटवर्क है। इसे एक प्रकार की लाइब्रेरी भी कह सकते हैं। इंटरनेट के माध्यम से विश्वभर की, लगभग हर क्षेत्र की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इसके माध्यम से कोई भी सूचना मिनटों में विश्व के किसी भी कोने में भेजी जा सकती है।

5) ई.मेल : इंटरनेट का प्रसार पूरी दुनिया में बहुत तेजी से हो रहा है। हमारे देश में भी अब कई हजार कंप्यूटर इंटरनेट से जुड़ गए हैं।

6) वीडियो पत्रकारिता : इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भी पत्रिकाओं का प्रचलन आज तेजी से हमारे देश में बढ़ रहा है। पत्रिकाओं की तरह ऑडियो तथा वीडियो कैसेट बाजार में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। जैसे-जैसे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अपना प्रसार कर रही है वीडियो पत्रकारिता का प्रचलन दिनों.दिन बहुत तेजी से हमारे देश में बढ़ता जा रहा है।

7) कंपैक्ट डिस्क (सी.डी) : कंपैक्ट डिस्क पर भी सूचनाओं को संग्रहीत किया जाता है। किंतु कंपैक्ट डिस्क तश्तरी की तरह गोल ऑप्टीकल धातु से बनी होती है। इस पर लेजर किरणों द्वारा संदेश भरे अथवा देखे.सुने जाते हैं। इस पर भरे जाने वाले संदेश देखने अथवा सुनने में बहुत ही स्पष्ट और प्रभावशाली होते हैं। अब तो सीण्डीण् द्वारा बच्चों को घर में पढ़ाने का कार्य होने लगा है।

सूचना प्रौद्योगिकी के लाभ

- शिक्षा का प्रचार.प्रसार
- लोगों के बीच बढ़ती मनोरंजन की आवश्यकता की पूर्ति
- लोगों में आई सामाजिक.राजनीतिक जागरूकता
- समाचारों के प्रति लोगों में बढ़ती रुचि

अपना मूल्यांकन करें

'आज के समाज में सूचना प्रोद्योगिकी की लोकप्रियता निरंतर बढ़ती जा रही है।' इस कथन से आप कितना सहमत हैं? सिद्ध कीजिए।

पत्रकारिता के क्षेत्र में इंटरनेट की उपयोगिता को उदाहरण सहित विस्तार से स्पष्ट कीजिए।

'बाजार संस्कृति के कारण संचार के तरीकों में व्यापक स्तर पर परिवर्तन आ गया है। इसी परिप्रेक्ष्य में स्पष्ट कीजिए कि संचार के प्रसार में किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में कंप्यूटर के योगदान को स्पष्ट कीजिए